भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2117

उत्तर देने की तारीख: 12.05.2016

विद्यालयों की पाठ्यचर्या में बदलाव करना

2117. श्री डी॰ राजाः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान कुछ राज्य सरकारों द्वारा विद्यार्थियों को पश्चिमी साहित्य से दूर रखकर उनके मन में देसी मूल्यों की भावना अंतर्निविष्ट करने के नाम पर विद्यालयों की पाठ्यचर्या को बदलने हेतु किए जा रहे प्रयासों के संबंध में आई खबरों की ओर गया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) और (ख): जी, नहीं। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या कार्यढांचा (एनसीएफ) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किया गया है, जो सभी स्कूल स्तरों पर पाठ्य-विवरण और पाठ्य-पुस्तकों को विकसित करने के लिए दिशा-निर्देश तथा निदेश निर्धारित करता है। एनसीएफ की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, एनसीईआरटी द्वारा मॉडल पाठ्यचर्या, पाठ्य-विवरण, पाठ्यपुस्तकें तथा अन्य अनुपूरक सामग्री तैयार की जाती है। जबकि, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के विद्यालय एनसीईआरटी की पाठ्यचर्या, पाठ्य-विवरण और पाठ्यपुस्तकों का अनुकरण करते हैं। एनसीईआरटी के पाठ्य-विवरणों और पाठ्यपुस्तकों को अपनाने या उन्हें अपने अनुकूल बनाने अथवा एनसीएफ के आधार पर अपने स्वयं के पाठ्य-विवरण और पाठ्य-पुस्तकें तैयार करने के लिए राज्य स्वतंत्र हैं।

*****